This Question Paper consists of 51 questions and 16 printed pages.
अस्मिन् प्रश्नपत्रे 51 प्रश्नाः एवम् 16 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न–पत्र में 51 प्रश्न तथा 16 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No. | | | | | | | | | | | | |
अनुक्रमाङ्कः

Code No. 70/SS/O
गूढसंख्या

Set A
स्तवकः

SANSKRIT VYAKARAN
संस्कृतव्याकरणम्
संस्कृत व्याकरण
(346)

Day and Date of Examination :
(परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च) ____________________

Signature of Invigilators : 1. ____________________
(निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्)
2. ____________________

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

सामान्या निर्देशाः / सामान्य निर्देश :

1. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।
   प्रश्नपत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
2. निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।
   प्रश्नपत्र के प्रश्नों की संख्या प्रारम्भ में दी गई संख्या के समान है या नहीं, ठीक है या नहीं, यह देखने योग्य है।
3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।
   वस्तुनिष्ठ प्रश्न (क), (ख), (ग), (घ) इन विकल्पों में उचित उत्तर चुनकर उत्तर–पुस्तिका में लिखिए।

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखें।

5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

उत्तर–पुस्तिका में अपना परिचय देते हुए या निर्दिष्ट स्थान को छोड़कर और कहीं भी अपना रोल नं. न लिखें।

6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या **70/SS/O,** सेट- **A** नूनं लेख्या।

अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र की कोड संख्या **70/SS/O,** सेट- **A** लिखें।

7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर केवल संस्कृत भाषा में ही लिखें।

UNNATI
EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

NOTE / निर्देश :

(1) Answers of all questions are to be given in the Answer-Book given to you.

सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

(2) 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 02.15 p.m. From 02.15 p.m. to 02.30 p.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.

इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र का वितरण दोपहर में 02.15 बजे किया जाएगा। 02.15 बजे से 02.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

SANSKRIT VYAKARAN

संस्कृतव्याकरणम्

संस्कृत व्याकरण

(346)

परीक्षासमयावधिः (समय) होरात्रयम् (3 घण्टे)] **[पूर्णाङ्काः (अधिकतम अंक) : 100**

निर्देशाः :

(i) अस्मिन् प्रश्नपत्रे [A] भागे 20, [B] भागे 15, [C] भागे 6, [D] भागे 6, [E] भागे 4 इति आहत्य 51 प्रश्नाः सन्ति।

(ii) समे प्रश्ना अनिवार्याः। तत्र वैकल्पिकभागेषु एकः एव समाधेयः।

(iii) प्रत्येकं प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति अङ्कान् दीयन्ते।

(iv) **A** भागे प्र.सं. **1** तः **20** पर्यन्तं – बहुविकल्पप्रकारस्य प्रश्नाः **(MCQs)** येषु प्रत्येकम् एकः अङ्कः भवति। एतेषु प्रत्येकस्मिन् प्रश्ने दत्तचतुर्णां विकल्पानां मध्ये सर्वाधिकम् उपयुक्तं विकल्पं चित्वा लिखन्तु।

(v) **B** भागे प्र.सं. **21** तः **35** पर्यन्तम् – वस्तुनिष्ठप्रश्नाः। प्रत्येकं प्रश्नः अङ्कद्वयात्मकः अस्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः।

(vi) **C** भागे प्र.सं. **36** तः **41** पर्यन्तम् – अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कद्वयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः।

(vii) **D** भागे प्र.सं. **42** तः **47** पर्यन्तम् अनतिदीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कत्रयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **50** तः **80** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

(viii) **E** भागे प्र.सं. **48** तः **51** पर्यन्तम् दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् पञ्च अंकात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं **80** तः **100** शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः।

(ix) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

(x) स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेख्या।

(xi) उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

(xii) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

(xiii) निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पुटसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपुटस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

(xiv) अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपुटे नूनं लेख्यः।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

[A] प्रश्नसंख्या 1 तः 20 पर्यन्तं बहुविकल्पप्रश्नाः सन्ति। प्रदत्तविकल्पेषु युक्तं विकल्पं चिनुत। **1×20=20**

प्रश्न संख्या 1-20 तक बहुविकल्पात्मक हैं। प्रदत्त विकल्पों में से उचित विकल्प को चुनें।

1. 'दीर्घसक्थः' इत्यत्र कः प्रत्ययः? **1**

(क) क (ख) षच्

(ग) अण् (घ) अच्

'दीर्घसक्थः' इसमें कौनसा प्रत्यय है?

(क) क (ख) षच्

(ग) अण् (घ) अच्

2. 'हरिहरौ' अत्र हरिशब्दस्य पूर्वनिपातः केन सूत्रेण? **1**

(क) अल्पाच्तरम् (ख) अजाद्यदन्तम्

(ग) द्वन्द्वे घि (घ) चार्थे द्वन्द्वः

'हरिहरौ' इस उदाहरण में हरि शब्द का पूर्वनिपात किस सूत्र से होता है?

(क) अल्पाच्तरम् (ख) अजाद्यदन्तम्

(ग) द्वन्द्वे घि (घ) चार्थे द्वन्द्वः

UNNATI
EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

3. 'सुराजा' इत्यत्र समासविधायकं सूत्रं किम्? **1**

(क) कुगतिप्रादयः (ख) न पूजनात्

(ग) अव्ययीभावश्च (घ) नञ्

'सुराजा' इस उदाहरण में समास किस सूत्र से होता है?

(क) कुगतिप्रादयः (ख) न पूजनात्

(ग) अव्ययीभावश्च (घ) नञ्

4. 'युवतिः' – अत्र कः स्त्रीप्रत्ययः? **1**

(क) ङीप् (ख) इ

(ग) ति (घ) टाप्

'युवतिः' – इसमें कौनसा स्त्रीप्रत्यय हुआ है?

(क) ङीप् (ख) इ

(ग) ति (घ) टाप्

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

5. 'उगितश्च' – इत्यनेन सूत्रेण कः प्रत्ययो भवति? 1

(क) ङीप् (ख) ङीष्

(ग) डाप् (घ) टाप्

'उगितश्च' – यह सूत्र किस प्रत्यय का विधान करता है?

(क) ङीप् (ख) ङीष्

(ग) डाप् (घ) टाप्

6. 'नर्तकी' – अत्र ङीष् प्रत्ययः केन कारणेन भवति? 1

(क) गौरादिगणपठितत्वात्

(ख) बह्वादिगणपठितत्वात्

(ग) षित्वात्

(घ) मनुष्यजातिवाचकत्वात्

'नर्तकी' – यहां ङीष् प्रत्यय किस कारण से होता है?

(क) गौरादिगण में पठित होने के कारण

(ख) बह्वादिगण में पठित होने के कारण

(ग) षित् होने के कारण

(घ) मनुष्यजातिवाचक होने के कारण

UNNATI
EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

7. 'दुर्हृद्' – अत्र हृदयशब्दस्य हृद्भावः कस्मिन्नर्थे निपात्यते? 1

(क) अमित्रार्थे (ख) मित्रार्थे

(ग) सामान्यार्थे (घ) असामान्यार्थे

'दुर्हृद्' – इस उदाहरण में हृदय शब्द का हृद्भाव किस अर्थ में निपातन किया जाता है?

(क) अमित्र अर्थ में (ख) मित्र अर्थ में

(ग) सामान्य अर्थ में (घ) असामान्य अर्थ में

8. अभ्यर्हितं पदं द्वन्द्वे कुत्र प्रयोज्यम्? 1

(क) परम् (ख) पूर्वम्

(ग) उभयत्र (घ) न कुत्रापि

अभ्यर्हित पद का द्वन्द्वसमास में कहाँ प्रयोग होता है?

(क) पर में (ख) पूर्व में

(ग) दोनों जगह (घ) कहीं नहीं

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

9. __________ ङिद्वद् भवति। 1

(क) पित् आर्धधातुकम् (ख) अपित् आर्धधातुकम्

(ग) पित् सार्वधातुकम् (घ) अपित् सार्वधातुकम्

__________ ङिद्वद् होता है।

(क) पित् आर्धधातुक (ख) अपित् आर्धधातुक

(ग) पित् सार्वधातुक (घ) अपित् सार्वधातुक

10. 'कुहोश्चुः' इत्यनेन कस्य कवर्गस्य हकारस्य च स्थाने चवर्गादेशो विधीयते? 1

(क) अभ्यासस्य (ख) अवसानस्य

(ग) उपधायाः (घ) उपदेशस्य

'कुहोश्चुः' इस सूत्र से किस कवर्ग और हकार के स्थान पर चवर्ग आदेश होता है?

(क) अभ्यास के (ख) अवसान के

(ग) उपधा के (घ) उपदेश के

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

11. 'नेदतुः' – इति कस्य लकारस्य रूपम्? 1

(क) लोट् (ख) लुङ्

(ग) लिट् (घ) लृङ्

'नेदतुः' – यह किस लकार का रूप है?

(क) लोट् (ख) लुङ्

(ग) लिट् (घ) लृङ्

12. 'आत् इस् ईत्' – इत्यवस्थायां 'इट ईटि' सूत्रेण किं विधीयते? 1

(क) सस्य लोपः (ख) दिर्घत्वम्

(ग) तस्य लोपः (घ) वृद्धि–एकादेशः

'आत् इस् ईत्' – इस अवस्था में 'इट ईटि' सूत्र से क्या होता है?

(क) स् का लोप (ख) दिर्घत्व

(ग) त् का लोप (घ) वृद्धि–एकादेश

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

13. लिङो झस्य कः आदेशः ? **1**

(क) अत् (ख) रन्

(ग) अन्त् (घ) सुट्

लिङ् लकार के झ को क्या आदेश होता है ?

(क) अत् (ख) रन्

(ग) अन्त् (घ) सुट्

14. शपः लुक् कस्मिन् गणे ? **1**

(क) भ्वादिगणे (ख) चुरादिगणे

(ग) तनादिगणे (घ) अदादिगणे

शप् का लुक् किस गण में होता है ?

(क) भ्वादिगण में (ख) चुरादिगण में

(ग) तनादिगण में (घ) अदादिगण में

15. 'उतश्च प्रत्ययादसंयोगपूर्वात्' – इत्यनेन सूत्रेण किं भवति ? **1**

(क) सेर्हिः (ख) ङिद्वद्भावः

(ग) हेर्लुक् (घ) गुणः

'उतश्च प्रत्ययादसंयोगपूर्वात्' – यह सूत्र क्या कार्य करता है ?

(क) सि को हि आदेश (ख) ङिद्वद्भाव

(ग) हि का लुक् (घ) गुण

16. 'उ–विकरणः' कस्मिन् गणे ? **1**

(क) भ्वादिगणे (ख) चुरादिगणे

(ग) तनादिगणे (घ) अदादिगणे

'उ–विकरण' किस गण में होता है ?

(क) भ्वादिगण में (ख) चुरादिगण में

(ग) तनादिगण में (घ) अदादिगण में

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR
UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

17. 'कामचारानुज्ञा' किं भवति? 1

(क) आमन्त्रणम् (ख) निमन्त्रणम्

(ग) विधिः (घ) प्रार्थनम्

'कामचारानुज्ञा' से क्या तात्पर्य है?

(क) आमन्त्रण (ख) निमन्त्रण

(ग) विधि (घ) प्रार्थना

18. 'अत उपधायाः' इत्यनेन कीदृशि प्रत्यये परे वृद्धिः भवति? 1

(क) किति (ख) ञिति णिति

(ग) निति ङिति (घ) गिति

'अत उपधायाः' सूत्र से कैसे प्रत्यय परे होने पर वृद्धि होती है?

(क) कित् (ख) ञित् णित्

(ग) नित् ङित् (घ) गित्

19. गर्गादिगणपठितेभ्यः शब्देभ्यः गोत्रापत्ये कः प्रत्ययः? 1

(क) यञ् (ख) अण्

(ग) ष्यञ् (घ) अञ्

गर्गादिगणपठित शब्दों से गोत्रापत्य में कौनसा प्रत्यय होता है?

(क) यञ् (ख) अण्

(ग) ष्यञ् (घ) अञ्

20. 'धर्म्यम्' इत्यत्र यत् प्रत्ययः कस्मिन्नर्थे? 1

(क) योग्यार्थे (ख) वध्यार्थे

(ग) तुल्यार्थे (घ) प्राप्यार्थे

'धर्म्यम्' यहां यत् प्रत्यय किस अर्थ में है?

(क) योग्य अर्थ में (ख) वध्य अर्थ में

(ग) तुल्य अर्थ में (घ) प्राप्य अर्थ में

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

[B] अधोलिखिताः प्रश्नाः यथानिर्देशं समाधेयाः। प्रत्येकं प्रश्नः द्वयोः अङ्कयोः भवति, तदर्थं 30 अङ्काः आवंटिताः भवन्ति। 2×15=30

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का है, जिसके लिए 30 अंक निर्धारित है।

21. सूत्रोदाहरणयोः युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत। 2

(क) उरः प्रभृतिभ्यः कप् (1) महायशस्कः

(ख) शेषाद्विभाषा (2) बहुदण्डिका नगरी

(3) व्यूढोरस्कः

सूत्र और उदाहरण का युक्तियुक्त मिलान कीजिए –

(क) उरः प्रभृतिभ्यः कप् (1) महायशस्कः

(ख) शेषाद्विभाषा (2) बहुदण्डिका नगरी

(3) व्यूढोरस्कः

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

22. यथायोग्यं मेलयत। 2

(क) अविग्रहस्य नित्यसमासस्य उदाहरणम् (1) कुपुरुषः

(ख) अस्वपदविग्रहस्य उदाहरणम् (2) कृष्णसर्पः

(3) कृष्णश्रितः

यथायोग्य मिलान कीजिए–

(क) अविग्रह नित्यसमास का उदाहरण (1) कुपुरुषः

(ख) अस्वपदविग्रह का उदाहरण (2) कृष्णसर्पः

(3) कृष्णश्रितः

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

23. प्रत्ययोदाहरणयोः युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत। **2**

(क)	दामा	(1)	टाप्
(ख)	खट्वा	(2)	डाप्
		(3)	चाप्

प्रत्यय और उदाहरण का युक्तियुक्त मिलान कीजिए –

(क)	दामा	(1)	टाप्
(ख)	खट्वा	(2)	डाप्
		(3)	चाप्

24. उचितकारणेन सह उदाहरणस्य मेलनं कुरुत। **2**

(क)	नान्तत्वात् ङीप्	(1)	कर्त्री
(ख)	उगिदन्तत्वात् ङीप्	(2)	दण्डिनी
		(3)	पचन्ती

उचित कारण के साथ उदाहरण का मिलान कीजिए –

(क)	नान्त होने के कारण ङीप्	(1)	कर्त्री
(ख)	उगिदन्त होने के कारण ङीप्	(2)	दण्डिनी
		(3)	पचन्ती

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

25. सूत्रोदाहरणयोः युक्तियुक्तं मेलनं कुरुत। **2**

(क)	क्रीतात्करणपूर्वात्	(1)	अतिकेशी
(ख)	स्वाङ्गाचोपसर्जनादसंयोगोपधात्	(2)	वस्त्रक्रीती
		(3)	कठी

सूत्र और उदाहरण का युक्तियुक्त मिलान कीजिए –

(क)	क्रीतात्करणपूर्वात्	(1)	अतिकेशी
(ख)	स्वाङ्गाचोपसर्जनादसंयोगोपधात्	(2)	वस्त्रक्रीती
		(3)	कठी

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

26 रिक्तस्थाने योग्यपदं पूरयत। 2

(क) गाति–स्था–घु–पा–भूभ्यः __________ लुक् स्यात, परस्मैपदेषु परेषु।

(ख) __________ सूत्रेण आशिषि लिङः यासुट् कित् भवति।

रिक्तस्थान की पूर्त्ति योग्य पद से कीजिए।

(क) गाति–स्था–घु–पा–भू इनसे उत्तर __________ का लुक् होता है, परस्मैपद पर में हो तो।

(ख) __________ सूत्र से आशीर्लिङ् का यासुट् कित् होता है।

27 रिक्तस्थाने योग्यपदं पूरयत। 2

(क) 'सिजभ्यस्तविदिभ्यश्च' इति सूत्रेण ङित्सम्बन्धिनो झेः __________ आदेशः भवति।

(ख) क्षिधातोः आशिषि लिङि प्रथमपुरुषैकवचने __________ रुपम्।

रिक्तस्थान की पूर्त्ति योग्य पद से कीजिए।

(क) 'सिजभ्यस्तविदिभ्यश्च' इस सूत्र से ङित्सम्बन्धी झि को __________ आदेश होता है।

(ख) क्षि–धातु का आशीर्लिङ् प्रथम पुरुष एकवचन में __________ रूप बनता है।

28. रिक्तस्थाने योग्यपदं पूरयत। 2

(क) एध् धातुः अनुदात्तेत, अतः __________ सूत्रेण आत्मनेपदी।

(ख) एधसे इत्यत्र __________ स्थाने 'से' आदेशः।

रिक्तस्थान की पूर्त्ति योग्य पद से कीजिए।

(क) एध् धातु अनुदात्तेत् है, अतः __________ सूत्र से आत्मनेपद होता है।

(ख) एधसे यहां __________ के स्थान पर 'से' आदेश होता है।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR
UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

29. रिक्तस्थाने योग्यपदं पूरयत। **2**

(क) तुदादिगणपठितधातुभ्यः __________ प्रत्ययो भवति, कर्तृवाचिनि सार्वधातुके परे।

(ख) सुधातोः आत्मनेपदे लटि प्रथमपुरुषैकवचने रुपम् __________ इति।

रिक्तस्थान की पूर्त्ति योग्य पद से कीजिए।

(क) तुदादिगणपठित धातुओं से __________ प्रत्यय होता है, कर्तृवाची सार्वधातुक पर में हो तो।

(ख) सुधातु का आत्मनेपद में लट् लकार प्रथमपुरुष एकवचन में__________ रूप बनता है।

30 रिक्तस्थाने योग्यपदं पूरयत। **2**

(क) सार्वधातुके क्ङिति प्रत्यये परतः कृ–धातोः अतःस्थाने __________ आदेशः स्यात्।

(ख) क्री–धातोः परस्मैपदे लङि प्रथमपुरुषे रुपाणि – अक्रीणात् __________ अक्रीणन्।

रिक्तस्थान की पूर्त्ति योग्य पद से कीजिए।

(क) सार्वधातुक कित् ङित् प्रत्यय के परे रहते कृ–धातु के आकार के स्थान पर __________ आदेश होता है।

(ख) क्री–धातु के परस्मैपद लङ्लकार प्रथमपुरुष में रुप होते हैं – अक्रीणात् __________ अक्रीणन्।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

31. उचितकथनस्य समक्षं 'सत्यम्' अनुचितकथनस्य समक्षम् 'असत्यम्' इति लिखत। **2**

(क) अपत्यत्वेन विवक्षितं पौत्रादि गोत्रसंज्ञं स्यात्।

(ख) दाक्षिः इत्यत्र अञ् प्रत्ययः।

उचित कथन के समक्ष 'सत्य' और अनुचित कथन के समक्ष 'असत्य' लिखिए।

(क) अपत्य के रूप में विवक्षित पौत्रादि की गोत्र संज्ञा होती है।

(ख) दाक्षिः इस उदाहरण में अञ् प्रत्यय है।

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

32. उचितकथनस्य समक्षं 'सत्यम्' अनुचितकथनस्य समक्षम् 'असत्यम्' इति लिखत। **2**

(क) रैवतिकः इत्यत्र ठन् प्रत्ययः।

(ख) विनतायाः अपत्यम् वैनतेयः।

उचित कथन के समक्ष 'सत्य' और अनुचित कथन के समक्ष 'असत्य' लिखिए।

(क) रैवतिकः इसमें ठन् प्रत्यय है।

(ख) विनतायाः अपत्यम् वैनतेयः।

33. उचितकथनस्य समक्षं 'सत्यम्' अनुचितकथनस्य समक्षम् 'असत्यम्' इति लिखत। **2**

(क) भूमनिन्दाप्रशंसासु तद्राजसंज्ञाः प्रत्ययाः भवन्ति।

(ख) तान्तसान्तौ भसंज्ञौ स्तः, मत्वर्थे प्रत्यये परे।

उचित कथन के समक्ष 'सत्य' और अनुचित कथन के समक्ष 'असत्य' लिखिए।

(क) भूम, निन्दा, प्रशंसा, इन अर्थों में तद्राजसंज्ञक प्रत्यय होते हैं।

(ख) तान्त और सान्त की भसंज्ञा होती है, मत्वर्थ प्रत्यय के परे रहते।

UNNATI
EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

34. उचितकथनस्य समक्षं 'सत्यम्' अनुचितकथनस्य समक्षम् 'असत्यम्' इति लिखत। **2**

(क) मीमांसाम् अधीते वेद वा मीमांसकः।

(ख) ग्रामशब्दात् ठक्–प्रत्यये 'ग्रामीणः' इति पदं निष्पद्यते।

उचित कथन के समक्ष 'सत्य' और अनुचित कथन के समक्ष 'असत्य' लिखिए।

(क) मीमांसाम् अधीते वेद वा मीमांसकः।

(ख) ग्रामशब्द से ठक् प्रत्यय करने पर 'ग्रामीणः' पद निष्पन्न होता है।

35. उचितकथनस्य समक्षं 'सत्यम्' अनुचितकथनस्य समक्षम् 'असत्यम्' इति लिखत। **2**

(क) ब्राह्मणादिगणपठितषष्ठीसमर्थप्रातिपदिकात् भावार्थे कर्मार्थे च ष्यञ्प्रत्ययः भवति।

(ख) गोर्भावः इति अलौकिकविग्रहे त्वप्रत्यये गोत्वम् इति रूपं सिध्यति।

उचित कथन के समक्ष 'सत्य' और अनुचित कथन के समक्ष 'असत्य' लिखिए।

(क) ब्राह्मणादिगणपठित–षष्ठीसमर्थप्रातिपदिक से भाव और कर्म अर्थ में ष्यञ्प्रत्यय होता है।

(ख) गोर्भावः इति अलौकिकविग्रह में त्व–प्रत्यय होकर गोत्वम् रूप सिद्ध होता है।

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

[C] षण्णां प्रश्नानां यथानिर्देशं अतिलघूनि उत्तराणि लिखत। **2×6=12**

निर्देशानुसार छह प्रश्नों के अतिलघु उत्तर दीजिए।

36. 'द्विमूर्धः' इत्यस्य पदस्य लौकिकविग्रहम् अलौकिकविग्रहं च प्रदर्शयत। **2**

'द्विमूर्धः' इस पद का लौकिकविग्रह और अलौकिकविग्रह प्रदर्शित कीजिए।

37. 'अल्पाच्तरम्' इति सूत्रस्यार्थः कः? उदाहरणमेकं लिखत। **2**

'अल्पाच्तरम्' इस सूत्र का अर्थ क्या है? एक उदाहरण लिखिए।

38. 'भवेयुः' अत्र 'जुस्' विधायकं सूत्रं किम्? कश्च तस्य अर्थः? **2**

'भवेयुः' यहां 'जुस्' विधायक सूत्र कौनसा है? उसका अर्थ भी लिखिए।

39. 'अतति' अत्र 'अत'धातोः कः अर्थः? **2**

'अतति' यहां अत धातु का क्या अर्थ है?

40. 'स्त्रैणः' अत्र कः प्रत्ययः? प्रत्ययविधायकं सूत्रं लिखत। **2**

'स्त्रैणः' यहां कौनसा प्रत्यय है? प्रत्ययविधायक सूत्र लिखिए।

41. 'दण्डी' अत्र ससूत्रं प्रत्ययं लिखत। लौकिकविग्रहं च प्रदर्शयत। **2**

'दण्डी' यहां सूत्रोल्लेखपूर्वक प्रत्यय बताइए। लौकिकविग्रह भी प्रदर्शित कीजिए।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR
UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

[D] षट् प्रश्नान् अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त। **3×6=18**

छह प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए।

42. निष्ठान्तं बहुव्रीहौ कुत्र प्रयुज्यते? ससूत्रं सोदाहरणं च लिखत। **3**

अथवा

'अन्तर्बहिर्भ्यां च लोम्नः' इति सूत्रं व्याख्यात।

निष्ठान्त का बहुव्रीहि समास में कहां प्रयोग होता है? ससूत्र और सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'अन्तर्बहिर्भ्यां च लोम्नः' इस सूत्र की व्याख्या कीजिए।

43. 'येषां च विरोधः शाश्वतिकः' इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात। **3**

अथवा

'वाक्त्वचम्' इति रूपं साधयत।

'येषां च विरोधः शाश्वतिकः' इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

अथवा

'वाक्त्वचम्' इस रूप की सिद्धि कीजिए।

44. लौकिकालौकिकविग्रहयोर्लक्षणं प्रतिपाद्य उदाहरणं लिखत। **3**

लौकिक और अलौकिक विग्रहवाक्य के लक्षण बतलाकर उदाहरण लिखिए।

45. 'टित् आत्मनेपदानां टेरे' इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात। **3**

अथवा

'एध्' धातोः लोटि प्रथमपुरुषैकवचने किं रुपम? ससूत्रं साधयत।

'टित् आत्मनेपदानां टेरे' इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

अथवा

'एध्' धातु का लोट् लकार प्रथमपुरुष एकवचन का रूप लिखकर ससूत्र सिद्धि कीजिए।

46. 'स्वादिभ्यः श्नुः' इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात। **3**

'स्वादिभ्यः श्नुः' इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

47. 'ग्रामजनबन्धुभ्यस्तल्' इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात। **3**

'ग्रामजनबन्धुभ्यस्तल्' इस सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279

[E] चत्वारः प्रश्नाः दीर्घोत्तरैः समाधेयाः। **5×4=20**

निम्नलिखित चार प्रश्नों का दीर्घोत्तरों से समाधान कीजिए।

48. चार्थाः के सन्ति? विशदं व्याख्यात। **5**

अथवा

द्वन्द्वसमासे पूर्वनिपातस्य नियमद्वयं लिखत। उदाहरणानि च प्रदर्शयत।

च के अर्थ कौन–कौन से हैं? विशद व्याख्या कीजिए।

अथवा

द्वन्द्वसमास में पूर्वनिपात के दो नियम लिखिए तथा उदाहरण भी प्रदर्शित कीजिए।

49. 'इजादेश्च गुरुमतोऽनृच्छः' इति 'आत्मनेपदेष्वनतः' इति वा सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात। **5**

'इजादेश्च गुरुमतोऽनृच्छः' अथवा 'आत्मनेपदेष्वनतः' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

50. 'जुहोति' इति 'दीव्यति' इति वा ससूत्रं साधयत। **5**

'जुहोति' अथवा 'दीव्यति' की ससूत्र रूपसिद्धि कीजिए।

51. 'तेन वित्तश्चुञ्चुप्चणपौ' इति सूत्रम् उदाहरणोल्लेखपुरस्सरं व्याख्यात। **5**

'तेन वित्तश्चुञ्चुप्चणपौ' इस सूत्र की उदाहरणोल्लेखपुरस्सर व्याख्या कीजिए।

UNNATI EDUCATIONS
EK KADAM UNNATI KI AUR

UNNATI EDUCATION
9899-436-384: 9654-279-279